चित्रःगूगल से साभार

ऐसा क्यों?

मैच-फिक्सिंग हो रही क्या हर जगह?

चाल हर नाकाम सी क्यों हो गयी है?

क्या किसी अरमान का हो गया है क़त्ल?

जिंदगी सुनसान सी क्यों हो गयी है?

चोट खाई है क्या अपनों ही से कहीं?

हर खुशी गुमनाम सी क्यों हो गयी है?

गुम हो गया है क्या कोई ख़ास आदमी?

हर नज़र परेशान सी क्यों हो गयी है?

क्या खुदा अब बिकने लायक ना रहा?

बंदगी बदनाम सी क्यों हो गयी है?

दीपक दीक्षित

सिकंदराबाद

(तेलंगाना)